

Living the Lotus

6
2022

VOL. 201

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

अनुनय-विनय की शक्ति अनुभव से पैदा होती है

रेवरेन्ट निक्कयो निवानो

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेन्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 201 (June 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly by Rishso Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

तेंदाई बौद्ध संप्रदाय के प्रमुख पुजारी, आदरणीय एताई यामादा (1895-1994) ने एक बार कृपापूर्वक मेरी प्रशंसा करते हुए कहा, “आप वास्तव में प्रभावशाली हैं, निवानो! जिस दिन आप कुछ सीखते हैं, उस दिन आप उसे अभ्यास में ला रहे होते हैं।” मैंने जो सीखा है उसे तुरंत अभ्यास में लाने का कारण यह है कि मैं एक मॉडल का पालन करता हूँ - शाक्यमुनि बुद्ध! पुण्डरीक सूत्र में हमें कहते हैं कि हमने जो सीखा है उसे शीघ्र अभ्यास में लायें, यही कारण है कि उन्होंने आनन्द से पहले बुद्धत्व प्राप्त किया:

“अच्छे बच्चे की तरह, आनन्द ने उसी समय सम्यक सम्बोधि की आकांक्षा को जन्म दिया, जैसा मैंने किया था। आनन्द को हमेशा सुनने और सीखने में आनंद आता था, जबकि मैं हमेशा मेहनत से अभ्यास का प्रयास कर रहा था। इस प्रकार मैंने पहले ही सम्यक सम्बोधि प्राप्त कर लिया।”

एक स्थानीय युवा समूह के नेता ने एक बार मुझसे पूछा, “मैं विश्वास के साथ धर्म की देशना कैसे दे सकता हूँ?” मुझे नहीं लगता कि यह इतना मुश्किल है। आपको बहुत सी चीजें सीखने की भी आवश्यकता नहीं है। जब आपको एक चीज सिखाई जाती है, तो बस उस एक चीज को तुरंत अभ्यास में लाने की कोशिश करें, और तब आप एक चीज में महारत हासिल कर लेंगे। यदि आपने स्वयं कुछ अनुभव किया है, तो आपको आत्मविश्वास के साथ इसे दूसरों को सिखाने में सक्षम होना चाहिए। आपको बस इतना करना है कि अपनी अनुभूति को एक-एक करके जोड़ते रहें। आपके आत्मविश्वास में कमी का कारण आपकी अनुभूति में कमी है।

उदाहरण के लिए, भले ही आपने सीखा है कि यदि आप दूसरों को बदलना चाहते हैं, तो आपको पहले अपने को बदलना होगा। जब तक आप वास्तव में कोशिश नहीं करेंगे तब तक आप पूरी तरह से विश्वास नहीं करेंगे। बौद्ध धर्म की देशनाएँ आपके लिए तभी स्पष्ट होंगी, जब आप उन्हें व्यवहार में लाएँगे। अनुभव अनुनय-विनय ही शक्ति का स्रोत है।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 194-195

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

करुणा का मन—धैर्य, भाग 2

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



सहनशीलता का उच्चतम रूप

जब आप प्रश्न करते हैं कि
कोई अच्छा है या बुरा है,
आप अपने से प्रश्न कर रहे हैं,
वह व्यक्ति जो आपका के लिए, दर्पण बन जाता है।

जेन मास्टर रियोकान (1758-1831) की एक कविता है। यह हमें कहावत के समान आभास देता है, “दूसरे की गलती एक अच्छा शिक्षक है,” जिसका अर्थ है कि लोगों के शब्दों और कार्यों को देखकर, आप अपने स्वयं के व्यवहार पर विचार कर रहे हैं। हालाँकि, इस कविता का एक अतिरिक्त गहरा अर्थ प्रतीत होता है।

इस कविता में रियोकान अपने आप से कह रहे हैं, “यदि शिकायत या तारीफ आपके कानों तक पहुँचती है, तो नाराज न हों या उन्हें अपने सिर पर नहीं जाने दें, बस अपने आप को अच्छी तरह से देखें।” आखिरकार, जब कोई आपका मूल्यांकन इस तरह से करता है, तो क्या आपके बारे में ऐसा कुछ नहीं है जो उन्हें इस तरह के विचार देता है?

यह कविता हमें सिखाती है कि ऐसा आत्म-चिन्तन सहनशीलता का एक अभ्यास है जो स्वाभाविक रूप से हमारे मन में किसी भी अशांति को शांत करता है। इसके अलावा, हालाँकि कई लोग, बच्चों से लेकर वयस्कों तक, रियोकान के शौकीन थे, ऐसा लगता है कि कुछ लोग इससे खुश नहीं थे।

एक दिन, एक साधु जो हमेशा रियोकान से ईर्ष्या करता था, जेन गुरु को बुलाने आया, नशे में और गंदगी में ढका हुआ था। अचानक उसने रियोकान को अपने ही कमरबन्द पट्टी से पीटना शुरू कर दिया। रियोकान ने, हालाँकि, भिक्षु को पीटने दिया और संध्या को मुसीबत बीत जाने के बाद, देखा कि लगातार वर्षा हो रही थी और वह बड़बड़ाया रहा था, “क्या उस भिक्षु के पास वर्षा से बचने का साधन था?”

पिछले महीने के अंक में, मैंने उल्लेख किया था कि सहनशीलता घटनाओं और लोगों को स्वाभाविक रूप से

स्वीकार करने में सक्षम होने की भावना है, न कि केवल उनको सहन करना या उनके साथ रखना। बेशक, हमें उन्हें स्वीकार करना चाहिए और अंगीकर करना चाहिए, लेकिन इसके अलावा, जैसाकि यह किस्सा हमें दिखाता है, करुणा हमें सहनशीलता का अभ्यास करने में बहुत ताकत और समर्थन भी देती है।

संस्थापक निवानो ने कहा, “जब लोग देशनाओं को सुनते हैं, धीरे-धीरे स्वयं और दूसरों की एकता की भावना को गहरा करते हैं, और चीजों को निष्पक्ष रूप से देखने की आदत बनाते हैं, तो वे सहनशीलता की भावना प्राप्त करते हैं और अन्य लोगों की स्थिति को समझने में सक्षम होते हैं। फलस्वरूप, उनके मन में अब क्रोध, घृणा और आक्रोश की भावनाएँ पैदा नहीं होती हैं। इसके बजाय, वे दयालु हैं, उन लोगों के लिए बुरा महसूस करते हैं, और उन्हें अपने गलत विचारों से मुक्त करने में मदद करना चाहते हैं” (शिंशाकु होक्के सानबु क्यो [द श्रीफोल्ड लोटस सूत्र: ए माँडर्न कमेंट्री], वॉल्यूम 1)। इस आध्यात्मिक अवस्था को “सहनशीलता का उच्चतम रूप” कहा जाता है।

अपने मन को धर्मदेशना की ओर थोड़ा मोड़ना

हम, केवल उन घटनाओं के माध्यम से, जो दुःख और उदासी लाती है, महसूस कर सकते हैं, क्या जीवन में महत्वपूर्ण है। रियोकान ने सूक्ति भी लिखी, “धैर्य गुणों का स्रोत है।” मुझे और लगता है कि यहाँ “गुण” उन चीजों को इंगित करता है, जिन्हें धीरे-धीरे, हम दर्दनाक, दुःखद अनुभवों के माध्यम से समझते और महसूस करते हैं। ये वे गुण हैं जो उन चीजों को गौर से देखने से प्राप्त होता है जिन्हें स्वीकार करना तथा अंगीकार करना कठिन होता है, जिससे हमारा मानसिक संतुलन क्रमशः विस्तार पाता है और हम चीजों को सहज ही स्वीकारने में समर्थ हो जाते हैं। हम यह भी सोचते हैं कि जिनका अहंभाव मजबूत है, कठिनाई हमारी सोच की सीमाओं को महसूस करने और हमारे वर्तमान जीवन में एक नया जीवन शुरू करने का एक बड़ा अवसर प्रदान कर सकता है; यह भी, सहनशीलता के महान गुणों में से एक है।

उस ने कहा, हम बुद्ध की तरह शांत मन के साथ सहनशीलता का अभ्यास करना छोड़ने में सक्षम नहीं हैं, है ना?

रियोकान की विरासत को देखते हुए, मुझे लगता है कि मात्र ऐसी चीजें करने से, मानो अतीत से अपने को मुक्त करने, उत्साह से एक भी आमोद-प्रमोद का समय निकालने, लोगों की सलाह को ईमानदारी से सुनने और स्वीकार करना कि “यह सब मेरे ऊपर है।” जब हम अपने आप चिंतन करते हैं, तो हम महसूस करते हैं। उस क्षण और उस स्थिति में हमारे मन को बुद्ध की देशनाओं की ओर मोड़ देता है, और इस तरह अपने लिए लचीलेपन और सहनशीलता के मन में महारत हासिल करने में सक्षम है - जिसे पुण्डरीकसूत्र “तथागत के वस्त्र” के रूप में वर्णित करता है। अपनी और दूसरों की एकता के दृष्टिकोण से, सहनशीलता का समर्थन करनेवाली करुणा के महत्व की बात करते हुए, हमें हमेशा लोगों के साथ ईमानदारी से बातचीत करना याद रखना चाहिए। हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि हमारे पास स्वाभाविक रूप से बुद्ध प्रकृति है।

अंत में, मैं रियोकान की एक और कविता को उद्धृत करना चाहूँगा:

मेरी सराय में, कुछ पौधों से एक मकड़ी का धागा जुड़ा हुआ है,
मैं इसे दूर करने वाला था, लेकिन मैंने शीघ्र अपने को रोक लिया।

अपने और दूसरों के बीच एकता के मन के साथ, हम उन लोगों की भलाई के लिए भी प्रार्थना करते हैं जिन्हें हम नापसंद करते या जिनसे नफरत करते हैं। मेरा मानना है कि ये प्रार्थनाएँ अपने साथ शांति लाती हैं।

From Kosei, June 2022.

काँमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

राजकुमार के रूप में शाक्यमुनि का जन्म

शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के राजकुमार के रूप में माँ के पास जाते समय प्राचीन भारत के लुम्बिनि वन में 2500 से अधिक वर्ष पूर्व हुआ, वर्तमान में लुम्बिनि नेपाल के दक्षिणी भाग में है।

जब उनकी माँ रानी माया ने सपना देखा कि छह दाँतों वाला एक सफेद हाथी स्वर्ग से उतरा और उसके उदर में प्रवेश कर गया। हालाँकि, चूँकि शाक्यमुनि बुद्ध के जन्म के सात दिन बाद रानी माया का निधन हो गया, इसलिए उनकी छोटी बहन ने उनका पालन-

पोषण किया। किंवदंती है कि अपने जन्म के समय शिशु बुद्ध ने प्रत्येक दिशा में सात कदम उठाए और घोषणा की, "स्वर्ग और पृथ्वी पर केवल मैं ही सम्मानित हूँ।"



☀ क्या तुम्हें पता है?

शाक्यमुनि का अर्थ है "शाक्य कुल में जन्में बुद्ध।" जापानी विशेषण शाकुसोन शाकमुनि सेसन ("शाक्यमुनि, लोकप्रतिष्ठ") का संक्षिप्त नाम है। ऐसा कहा जाता है कि बौद्ध धर्म के संस्थापक शाक्यमुनि का जन्म 463 ईसा पूर्व (या संभवतः 566 या 626 ईसा पूर्व) में हुआ था और अस्सी वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



धर्मनिरपेक्ष जीवन को त्यागने का संकल्प



जब शाक्यमुनि एक राजकुमार थे, तो उन्होंने एक बूढ़े व्यक्ति को महल के पूर्वी द्वार से बाहर एक पार्क में जाते हुए देखा। एक और दिन, वह दक्षिणी द्वार से निकलते समय एक बीमार व्यक्ति से मिला। अपने अगले दिन सैर के लिए जाते समय, उन्होंने पश्चिमी गेट से निकलते समय एक अंतिम संस्कार में सम्मिलित लोगों को देखा। एक और दिन, उत्तरी द्वार से निकलते समय उनका सामना एक साधु से हुआ। साधु के सुखद व्यवहार से प्रभावित होकर उन्होंने लौकिक जीवन को त्याग कर साधु बनने का निश्चय किया। मनुष्य अंततः बूढ़ा हो जाता है, बीमार हो जाता है और अंत में मर जाता है। हम इन कष्टों से कैसे मुक्त हो सकते हैं? "चार द्वार से सैर के लिए निकलना" नामक यह कहानी, शाक्यमुनि को सभी लोगों की मुक्ति के लिए एक सही मार्ग तलाशने के लिए धर्मनिरपेक्ष जीवन को त्यागते हुए दिखाती है।

☀ क्या तुम्हें पता है?

अर्ध रात्रि को, शाक्यमुनि अपने सेवक चांडक के साथ अपने पसंदीदा घोड़े कंथक पर चढ़ कर त्याग के लिए महल से बाहर निकल गए। प्रातः सरहद पर आकर उन्होंने दोनों को विदा किया। ऐसा कहा जाता है कि जब कंथक और चांडक वापस महल में आए, तो गहरे दुःख के कारण कंथक का निधन हो गया।

Director's Column

सहनशीलता का उच्चतम रूप

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

हम वर्ष के आधे रास्ते पार कर चुके हैं, हालाँकि मुझे लगता है कि नव वर्ष अभी शुरू हुआ है। ऐसा लगता है कि समय इन दिनों तेजी से भाग रहा है।

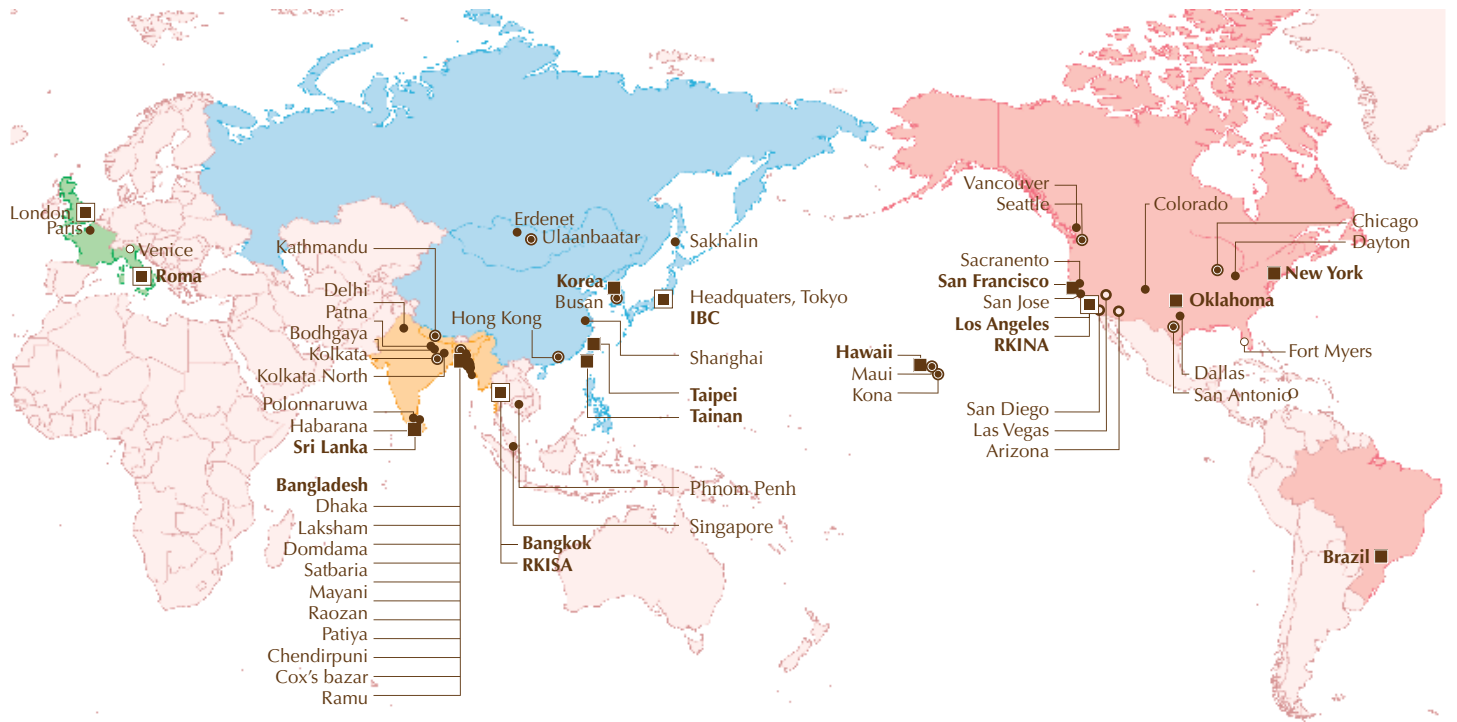
इस महीने के लिए अपने संदेश में, प्रेसिडेंट निचिको निवानो ने हमें सहनशीलता की अपनी समझ को गहरा करने की सलाह दी है। मैं विशेष रूप से सहनशीलता के उच्चतम रूप के उनकी सोच से प्रभावित था। संस्थापक निक्क्यो निवानो ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि देशनाओं को सुनकर और दूसरों के साथ अपनी एकता की भावना को गहरा करने से, आपका मन करुणा को जन्म देता है। मेरा मानना है कि कई लोग जो रिश्शो कोसेइ काइ की देशनाओं का अभ्यास कर रहे हैं, वे पहले से ही मन की स्थिति का अनुभव कर चुके हैं, जिसका संस्थापक ने उल्लेख किया था। मेरा मानना है कि दूसरों के साथ एकता की भावना का लक्ष्य हमें होना चाहिए - किसी भी तरह की स्थिति को स्वीकार करने और स्वीकार करने का मन।

सिक्के के दूसरे पहलू को देखते हुए, हम केवल उन चीजों की सतह को देखकर, जिनके साथ हम संपर्क में आते हैं, अपने को उनसे अलग करके या "अच्छे" और "बुरे" के बीच अंतर करके मूल्य निर्णय कर सकते हैं। जब हम बौद्ध अभ्यास में लगे होते हैं, तो हमारा मन- जो सामान्य प्राणियों के रूप में आमतौर पर झूठे आत्म-केंद्रित विचारों से जुड़े होते हैं - धीरे-धीरे "उच्चतम की तलाश" के प्रति जाग्रत होता है और "जीवित प्राणियों को सिखाने और बदलने के बोधिसत्व पथ के लिए बहुत दूर तक प्रबुद्ध हो जाता है। प्रेसिडेंट का संदेश हमें सिखाता है कि जाग्रत होने के लिए बुद्ध मार्ग जैसे स्पिंगबोर्ड के अभ्यास में निहित है।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部
Korean Rissho Kosei-kai of Busan**
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人 在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata
89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center
Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa
Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani
Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama
Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria
Village: Satbaria Bepari Para, Chandanail, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni
Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan
Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham
Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North
408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar
Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya
Rissho Kosei-kai Ramu
Rissho Kosei-kai Aburkhill

Buddiyskiy khram "Lotos"
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris
Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK
29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)
166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>